भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **4621**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 28 मार्च, 2025/7 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरक का अवैध व्यापार

4621. डॉ.टी.सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उर्वरकों के अवैध व्यापार और कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या जिन किसानों को यूरिया या अन्य उर्वरको की आवश्यकता नहीं है उन्हें राजसहायता वाले मूल्य पर दिए जाने वाले उर्वरक खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है और उनका उपयोग देश की सीमाओं के पार कालाबाजारी और तस्करी के लिए किया जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या उर्वरक उड़न दस्तों ने औचक निरीक्षण किया और यूरिया के अन्यत्र उपयोग के विरुद्ध मामले दर्ज किए एवं नकली यूरिया की बोरियां जब्त कीं तथा चोरी बाजारी निवारण और आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम के अंतर्गत नकली उर्वरक निर्माताओं को अनधिकृत किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों में अपराधियों के विरुद्ध राज्यवार एवं वर्षवार कितने मामले दर्ज किए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): उर्वरक को एक आवश्यक वस्तु के रूप में घोषित किया गया है और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 और उर्वरक (संचलन नियंत्रण) आदेश, 1973 के तहत अधिसूचित किया गया है। उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी को रोकने तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 (एफसीओ) के उपबंधों का उल्लंघन करते हुए उर्वरकों की कालाबाजारी/तस्करी में संलिप्त किसी व्यक्ति/उर्वरक कंपनी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए एफसीओ के अंतर्गत राज्य सरकारों को पर्याप्त शक्तियां प्रदान की गई हैं। तदनुसार, राज्य सरकारों से प्राप्त सूचना के अनुसार, उर्वरकों की कालाबाजारी के विरुद्ध निष्पादित प्रवर्तनकारी गतिविधियों से संबंधित वर्ष-वार विवरण **अनुलग्नक-क** पर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, गृह मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, एसएसबी नियमित रूप से सहायक एजेंसियों (पुलिस और सीमा शुल्क प्राधिकरण) के साथ-साथ अपने समकक्षों के साथ नाका, गश्त, संयुक्त गश्त संचालित करता है। तस्करी को रोकने के लिए आसूचना आधारित अभियान भी चलाए जाते हैं। पिछले 5 वर्षों में कुल मामलों की संख्या 3611 है और गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 4302 है।

इसके अतिरिक्त, "उर्वरक उड़न दस्ता" (उर्वरक विभाग के तहत) राज्य सरकारों के साथ उर्वरकों और उर्वरकों के संभावित विपथन, जमाखोरी और घटिया उर्वरकों की सप्लाई में संलिप्त संबंधित इकाइयों का औचक निरीक्षण करता है। अप्रैल, 2022 से किए गए निरीक्षणों और घटिया/नकली उर्वरक उत्पादकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक-ख** पर दिया गया है, जबकि अप्रैल, 2022 से किए गए निरीक्षणों और उर्वरकों के विपथन के विरुद्ध की गई कार्रवाई का राज्यवार विवरण **अनुलग्नक-ग** पर दिया गया है।

****

अनुलग्नक-क

यह अनुलग्नक दिनांक 28.03.2025 को दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.4621 के उत्तर के भाग (क) से (घ) से संबंधित है।

वित्त वर्ष 2019-20 में राज्यों द्वारा कालाबाजारी के विरुद्ध दर्ज किए गए मामलों का विवरण					
		राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई			
क्र.सं.		दर्ज एफआईआर	रद्द किए गए लाइसेंस	निलंबित लाइसेंस	जारी किए गए कारण बताओ नोटिस
1	आंध्र प्रदेश	2	3	14	32
2	असम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	बिहार	24	80	180	330
4	छत्तीसगढ	शून्य	शून्य	शून्य	170
5	दादरा और नगर हवेली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	दमन और दीव	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7	दिल्ली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
8	गोवा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	गुजरात	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	हरियाणा	2	शून्य	10	28
11	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
12	झारखंड	3	9	2	8
13	जम्मू एवं कश्मीर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
14	कर्नाटक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
15	केरल	शून्य	शून्य	शून्य	1
16	मध्य प्रदेश	12	80	156	236
17	महाराष्ट्र	शून्य	16	56	701
18	मेघालय	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
19	मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
20	ओडिशा	शून्य	1	1	237
21	पुदुचेरी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
22	पंजाब	शून्य	4	शून्य	23
23	राजस्थान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
24	तमिलनाडु	शून्य	1	शून्य	1
25	तेलंगाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
26	उत्तराखंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
27	उत्तर प्रदेश	30	शून्य	शून्य	शून्य
28	पश्चिम बंगाल	राज्य सरकार द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई			

वित्त वर्ष 2020-21 में राज्यों द्‍वारा कालाबाजारी के विरुद्‍ध दर्ज किए गए मामलों का विवरण					
		राज्यों द्‍वारा की गई कार्रवाई			
क्र.सं.		दर्ज एफआईआर	रद्‍द किए गए लाइसेंस	निलंबित लाइसेंस	जारी किए गए कारण बताओ नोटिस
1	आंध्र प्रदेश	2	6	55	64
2	असम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	बिहार	259	451	615	539
4	छत्तीसगढ	1	शून्य	शून्य	167
5	दादरा और नगर हवेली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	दमन और दीव	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7	दिल्ली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
8	गोवा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	गुजरात	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	हरियाणा	11	1	15	21
11	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
12	झारखंड	5	34	10	30
13	जम्मू एवं कश्मीर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
14	कर्नाटक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
15	केरल	शून्य	शून्य	शून्य	1
16	मध्य प्रदेश	70	68	134	202
17	महाराष्ट्र	शून्य	179	1063	1147
18	मेघालय	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
19	मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
20	ओडिशा	शून्य	30	88	92
21	पुदुचेरी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
22	पंजाब	2	26	शून्य	38
23	राजस्थान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
24	तमिलनाडु	5	शून्य	शून्य	1
25	तेलंगाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
26	उत्तराखंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
27	उत्तर प्रदेश	7	शून्य	शून्य	शून्य
28	पश्चिम बंगाल	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं

वित्त वर्ष 2021-22 में राज्यों द्वारा कालाबाजारी के विरुद्ध दर्ज किए गए मामलों का विवरण					
		राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई			
क्र.सं.		दर्ज एफआईआर	रद्द किए गए लाइसेंस	निलंबित लाइसेंस	जारी किए गए कारण बताओ नोटिस
1	आंध्र प्रदेश	3	8	16	42
2	असम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	बिहार	284	670	148	602
4	छत्तीसगढ	शून्य	शून्य	शून्य	57
5	दादरा और नगर हवेली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	दमन और दीव	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7	दिल्ली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
8	गोवा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	गुजरात	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	हरियाणा	7	शून्य	25	46
11	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
12	झारखंड	6	38	11	39
13	जम्मू एवं कश्मीर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
14	कर्नाटक	3	शून्य	शून्य	3
15	केरल	शून्य	शून्य	शून्य	1
16	मध्य प्रदेश	122	43	106	149
17	महाराष्ट्र	1	24	541	923
18	मेघालय	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
19	मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
20	ओडिशा	शून्य	15	65	34
21	पुदुचेरी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
22	पंजाब	3	32	शून्य	35
23	राजस्थान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
24	तमिलनाडु	4	शून्य	शून्य	1
25	तेलंगाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
26	उत्तराखंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
27	उत्तर प्रदेश	19	शून्य	शून्य	शून्य
28	पश्चिम बंगाल	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं

वित्त वर्ष 2022-23 में राज्यों द्वारा कालाबाजारी के विरुद्ध दर्ज किए गए मामलों का विवरण					
		राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई			
क्र.सं.		दर्ज एफआईआर	रद्द किए गए लाइसेंस	निलंबित लाइसेंस	जारी किए गए कारण बताओ नोटिस
1	आंध्र प्रदेश	2	3	9	45
2	असम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	बिहार	264	725	232	658
4	छत्तीसगढ	शून्य	शून्य	शून्य	15
5	दादरा और नगर हवेली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	दमन और दीव	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7	दिल्ली	3	शून्य	शून्य	शून्य
8	गोवा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	गुजरात	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	हरियाणा	52	21	107	202
11	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
12	झारखंड	1	5	2	25
13	जम्मू एवं कश्मीर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
14	कर्नाटक	10	शून्य	शून्य	10
15	केरल	7	शून्य	शून्य	20
16	मध्य प्रदेश	63	50	77	526
17	महाराष्ट्र	1	46	522	668
18	मेघालय	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
19	मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
20	ओडिशा	शून्य	9	34	76
21	पुदुचेरी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
22	पंजाब	5	36	शून्य	44
23	राजस्थान	19	1	3	495
24	तमिलनाडु	शून्य	शून्य	शून्य	1
25	तेलंगाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
26	उत्तराखंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
27	उत्तर प्रदेश	15	6	24	11
28	पश्चिम बंगाल	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं

वित्त वर्ष 2023-24 में राज्यों द्वारा कालाबाजारी के विरुद्ध दर्ज किए गए मामलों का विवरण					
		राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई			
क्र.सं.		दर्ज एफआईआर	रद्द किए गए लाइसेंस	निलंबित लाइसेंस	जारी किए गए कारण बताओ नोटिस
1	आंध्र प्रदेश	3	2	14	27
2	असम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	बिहार	23	79	123	505
4	छत्तीसगढ	2	शून्य	शून्य	70
5	दादरा और नगर हवेली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	दमन और दीव	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7	दिल्ली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
8	गोवा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	गुजरात	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	हरियाणा	102	42	214	404
11	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
12	झारखंड	शून्य	7	शून्य	23
13	जम्मू एवं कश्मीर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
14	कर्नाटक	6	शून्य	शून्य	6
15	केरल	शून्य	शून्य	शून्य	1
16	मध्य प्रदेश	43	27	77	1129
17	महाराष्ट्र	1	76	469	425
18	मेघालय	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
19	मिजोरम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
20	ओडिशा	12	38	33	4
21	पुदुचेरी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
22	पंजाब	9	45	शून्य	61
23	राजस्थान	12	1	शून्य	शून्य
24	तमिलनाडु	3	शून्य	शून्य	2
25	तेलंगाना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
26	उत्तराखंड	1	1	0	0
27	उत्तर प्रदेश	21	49	78	264
28	पश्चिम बंगाल	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं	उत्तर नहीं

<u>अनुलग्नक-ख</u>

यह अनुलग्नक दिनांक 28.03.2025 को दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.4621 के उत्तर के भाग (क) से (घ) से संबंधित है।

उर्वरक उड़न दस्ता, उर्वरक विभाग की सिफारिश के आधार पर मिश्रण उत्पादक इकाइयों के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	**राज्य**	**निरीक्षित मिश्रण इकाइयों की संख्या**	**एफएफएस द्वारा प्रस्तावित कार्रवाई**	**राज्य सरकार द्वारा की गई कार्रवाई (18/03/2025 की स्थिति के अनुसार)**			
				निलंबित/रद्द लाइसेंसों की संख्या	आईएफएमएस द्वारा प्राधिकार निरस्त इकाइयों की संख्या	जारी किए गए कारण बताओ नोटिस की संख्या	पंजीकृत एफआईआर की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	10	7	2	0	7	0
2	बिहार	11	10	3	2	1	1
3	गुजरात	68	29	17	18	29	1
4	कर्नाटक	48	34	17	17	33	2
5	केरल	60	50	25	0	50	1
6	महाराष्ट्र	62	29	29	29	29	0
7	तमिलनाडु	111	42	26	27	42	0
8	तेलंगाना	3	3	3	3	0	0
9	उत्तराखंड	2	1	1	0	1	0
10	उत्तर प्रदेश	4	0	0	0	0	0
11	एमपी	5	5	0	0	5	5
	कुल	**384**	**210**	**123**	**96**	**197**	**10**

*टिप्पणी:- I. **केरल** – केरल उच्च न्यायालय में 22 रिट याचिकाएं लंबित हैं। न्यायालय द्वारा रद्दीकरण के विरुद्ध रोक आदेश दिया* गया है।

*II. **महाराष्ट्र** - 1-3 माह के लिए लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं और उसी अवधि के लिए प्राधिकार निरस्त कर दिया गया है।*

*III. **उत्तर प्रदेश** - राज्य सरकार द्वारा किसी एमएम इकाई को कच्ची सामग्री आवंटित नहीं की गई है।*

अनुलग्नक-ग

यह अनुलग्नक दिनांक 28.03.2025 को दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.4621 के उत्तर के भाग (क) से (घ) से संबंधित है।

उर्वरक उड़न दस्ता, उर्वरक विभाग की सिफारिश के आधार पर **प्लाईवुड/रेसिन/टेबलवेयर/केटल फीड/डाइंग इकाइयों** के विरुद्ध राज्य सरकार की गई कार्रवाई का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	**राज्य**	**यूरिया विपथन इकाइयों का निरीक्षण (18/03/2025 की स्थिति के अनुसार)**	**पंजीकृत एफआईआर की संख्या**
1	गुजरात	43	25
2	हरियाणा	32	15
3	कर्नाटक	6	2
4	केरल	19	3
5	राजस्थान	16	2
6	तेलंगाना	2	0
7	उत्तर प्रदेश	12	3
8	पंजाब	2	0
9	बिहार	3	3
10	दिल्ली	5	3
11	तमिलनाडु	1	1
	कुल	**141**	**57**

****